अतिक्रमण सरकारी जमीन पर प्रभावशालियों द्वारा अपने टप जमाने के साथ किराये से चलाते हुये गरीबों से वसूल रहे पैसा

अतिक्रमण हटाने में नाकाम साबित हो रहा प्रशासन

नवभारत/ गाडरवारा। वर्तमान में शहर के रेलवे स्टेशन क्षेत्र पलोटन गंज, राठी तिराहे, शासकीय शालाओं के इर्द गिर्द शुक्रवार बाजार, मंदिरो, मस्जिदो के सामने पसरे अतिक्रमण से जहां शहर को सौन्दर्यीकरण खतरे में पड़ गया है। वही शहर में चौतरफा हुए अतिक्रमण से राहगीरो, वाहन चालकों का सड़को से गुजरना दूभर होता जा रहा है। गौरतलब है कि नगर में इस समय नजूल, नपा.लोक निर्माण विभाग द्वारा अपनी बेश कीमती भूमि की परवाह न करने से अतिक्रमणकारियो के हौसले बुलन्द हो गए है, जिसके चलते सड़कों के किनारो, चौराहो के नजदीक शासकीय भूमि का दुरूपयोग करते हुए अतिक्रमणकारी ठेले रख रहे है। इस तरह की सच्चाईड़को मिडिया द्वारा उजागर किया जाता है तो लोग यह बात कहने से नही चूकते है कि गरीब लोग अपने ठेला जमाते हुये रोजीरोटी चला रहे है। मगर यह सच्चाई एकदम विपरित देखने मिल रही है। क्योंकि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने वाले गरीब नही है। उन्हें तो यहां पर अपनी रोजी रोटी कमाने के लिये इन अतिक्रमणकारियों को किराया भरने मजबूर होना पड़ रहा है। क्यो कि शासकीय भूमि पर प्रभावशाली लोगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा जमाते हुये स्थापित किये गये टपरों व ठेलों को किराये से देते हुये गरीबों से हर माह हजारों की राशि बसूली जा रही है। यह सच्चाई नगर की पानी टंकी से लेकर शासकीय चिकित्सालय मार्ग सहित अन्य जगहों पर देखी जा सकती है। जहां पर खाली पड़ी सरकारी भूमि पर प्रभावशालियों द्वारा कब्जा करते हुये अपने ठेले स्थापित कर कब्जा जमा लिया गया और वह किराये से देकर जिस तरह गरीबों का शोषणा कया जा रहा है। मगर हैरत की बात यह है कि यह प्रभावशालियों को सत्ता से जुडे हुये लोगों का इस तरह संरक्षण मिल रहा है कि अधिकारियों द्वारा कार्यवाही करने के नाम पर ठंड में पसीना आते हुये देखा जाता है। इस तरह सड़को के किनारे फैले हुये अतिक्रमण के आलवा अन्य दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नगर में जहां तहां खाली पड़ी शासकीय भूमि पर लोगों द्वारा खुलेआम कालोनियों का निर्माण किया जा रहा है। जिससे नगर का स्वरूप बिगाड़नें का प्रयास कर रहे है।

अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था चौपट

अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था तो चौपट हो ही रही है साथ ही शहर में जहां तहां जाम लगने, दुर्घटनाएँ होने के अंदेशा सदा बना रहता है। विदित हो कि शहर के प्रमुख बाजार में जहां अनेक व्यापारी आधी सड़क पर कब्जा जमा अपनी दुकानो का सामान प्रदार्शित करते है तथा झंडाचौक पर मनमर्जी से दुकानें लगाने से शाम के समय सड़को से निकलना मुश्किल हो जाता है। इसी तरह शैक्षणिक संस्थाओं के इर्द गिर्द अतिक्रमणो की बाड़ आने से शालाओं में पहुँचने वाले बच्चों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। ज्ञातव्य है कि बैंकों, सब्जी बाजार, अनेक शासकीय कार्यालयो में वैसे भी पार्किंग व्यवस्था का अभाव है तो दूसरी ऊपर से नगर में अतिक्रमण की अमरबेल फैलती चले जाने से विकसित हो रहे नगर की ट्रेफिक व्यवस्था पंगु होती जा रही है। शहरवासियो का कहना है कि शहर में धड़ल्ले से चहुँओंर अतिक्रमण होने से गाडरवारा की पहचान मुश्किल भरे शहर के रूप में बनती जा रही है

अतिक्रमण के जंजाल से मुक्त

बेतरतीब बसाहट, ठेले, ठिलियो का जाल फैलने से नगर की सुंदरता को ग्रहण लगने लगा है बेबाक लहजे में कुछ लोगो का कहना है कि वास्तव में अतिक्रमण फैलाने की बीमारी राजनीतिक पहुँच वाले असरदारों की देन है। इसलिए जब भी प्रशासन कोई अतिक्रमण विरोधी मुहिम शुरू करता है वे उसके सुर में सुर मिलाकर अपना अतिक्रमण हटाने की बजाय शासकीय भूमि पर टपारिया बनाकर रहने वालो व चाय पान का ठेला लगा अपनी जीविका चलाने वाले नौजवानो का बालि का बकरा बना देते है। इन लग्जरी रंगी बिरंगी कार मेनो की इस तिकडम का नतीजा है कि नगर अतिक्रमण मुक्त नहीं हो पा रहा है और शहर में खुलेपन का माहौल नही बन पा रहा है, प्रशासन, नपा. से शहर के निवासियो ने गुहार लगायी है कि वह शहर को अतिक्रमण के जंजाल से मुक्त करने की दिशा में पहल करें।

एसआईआर के तहत फार्म 7 से लगाई आपत्तियां

नवभारत/ नरसिंहपुर। विधानसभा क्षेत्र 119 में मतदाता सूची से नाम हटाने को लेकर गंभीर मामला सामने आया है। ग्राम रांकई, रातीकरार, पिपरिया (रांकई) एवं पिपरिया (लिंगा) सहित अन्य गांवों के ग्रामीणों ने फार्म -7 के माध्यम से सामूहिक, असत्य और भेदभावपूर्ण आपत्तियाँ दर्ज कराने का आरोप लगाते हुए सोमवार को कलेक्टर के नाम डिप्टी कलेक्टर देवंती परते को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने बेबुनियाद आपत्ति लगाने वाले व्यक्ति के विरुद्ध निष्पक्ष जांच कर सख्त विधिक कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार हाल ही में हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) और बीएलओ सर्वे के दौरान मतदाताओं का भौतिक सत्यापन किया गया था। इस सत्यापन में ग्राम रांकई एवं अन्य गांवों के सभी मतदाता स्थायी रूप से स्थानीय निवासी पाए गए। साथ ही इन मतदाताओं के नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में भी विधिवत दर्ज हैं। इसके बावजूद भगवान सिंह नामक व्यक्ति द्वारा पूरे विधानसभा क्षेत्र में, विशेषकर ग्राम रांकई व आसपास के गांवों के मतदाताओं के खिलाफ फार्म -7 के माध्यम से सामूहिक आपत्तियाँ प्रस्तुत की गईं। ग्रामीणों के अनुसार ग्राम रांकई के बूथ क्रमांक 150, 151 और 152 से लगभग 710 मतदाता, ग्राम रातीकरार के बूथ क्रमांक 103 और 104 से 96 मतदाता, ग्राम पिपरिया (लिंगा) के बूथ 107 से 122 मतदाता तथा ग्राम पिपरिया (रांकई) के बूथ 148 से 6 मतदाताओं पर आपत्ति लगाई गई है। इस प्रकार कुल 934 मतदाताओं को निशाना बनाया गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि अधिकांश लोग भगवान सिंह को व्यक्तिगत रूप से नहीं जानते हैं और बिना किसी ठोस प्रमाण या प्रत्यक्ष जानकारी के सैकड़ों मतदाताओं के खिलाफ आपत्तियाँ दर्ज कराना प्रथम दृष्टया दुर्भावनापूर्ण प्रतीत होता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इन आपत्तियों में विशेष रूप से एक समुदाय के मतदाताओं को लक्षित किया गया है, जो संविधान के समानता के अधिकार और धर्म के आधार पर भेदभाव निषेध के सिद्धांतों के विपरीत है। ज्ञापन में रिप्रजेंटेशन आफ द पीपुल्स एक्ट 1950 की धारा 31 एवं भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 217 का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि यदि आपत्तियाँ असत्य या दुर्भावनापूर्ण पाई जाती हैं, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने जांच पूरी होने तक मतदाताओं के नाम न हटाने और यथास्थिति बनाए रखने की मांग की है।

इनका कहना है

एसआईआर की प्रक्रिया की जा चुकी है, जिनके नाम की आपत्ति आई है, उन्हें नोटिस जारी कर उनका सत्यापन कर नाम जो ?ा गया है। अगर कोई आपत्ति लगाता है तो यह उसकी जिम्मेदारी है, आपत्ति लगाने से किसी को रोका नहीं जा सकता।

-मणिन्द्र सिंह
अनुविभागीय अधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण

विकास कार्यों पर लगे रहे सवालिया निशान

नवभारत/मनकवारा/गाडरवारा। जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने क्षेत्र की सुविधा हेतु जनकल्याणकारी योजनाओं तथा अपने कोटे की निधि से विकास कार्य तो करवाये जाते हैं लेकिन अधिकारियों और ठेकेदारों की मिली भगत से इन निधियों का सही तरीके से उपयोग नहीं हो पाता और लाखों करोड़ों रूपयों की लागत से निर्मित विकास कार्यों की चंद महीनों में ही पोल खुलने से नही बच पाती हैड़ कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चावरपाठा के अंतर्गत अनेक गांवों में देखने मिल रही है जहां पर कुछ महिनों पहले किये गये विकास कार्य जहां अपनी गुणवत्ता की सच्चाई बताते हुए नजर आ रहे हैड़ क्षेत्रवासियों द्वारा जनचर्चाओं के दौरान बताया जा रहा है कि क्षेत्र के अनेक गांवों व ग्राम पंचायतों में जिस प्रकार से पूर्व में विधायक, सांसद सहित अन्य निधियों से निर्मित पुलिया, सीसी रोड, पंचायत भवन, शाला भवन, चबूतरे तथा अन्य निर्माण किये गए हैं साथ ही शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं सहित भी विकास कार्य जनप्रतिनिधियों के प्रयासो से हुए हैं वह अपनी गुणवत्ता की कहानी इस प्रकार से बताते हुए देखे जा रहे है जिससे सरकारी राशि विकास कार्यो के नाम पर खर्च की गई उसका औचित्य ही समाप्त होने से नही चूक पा रहा हैड़ क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक कार्य शासकीय अधिकारी व ठेकेदारों की मिलीभगत से हुए हैं।

पदभार संभालते ही नवागत टीआई चौहान ने तेज की कार्यवाही

नवभारत/ गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने की बागडोर संभालते ही नव नियुक्त टीआई अशोक चौहान द्वारा जस तरह ओपनिंग बल्लेबाज की तरह धुंआधार तरीके से कार्यवाही की जा रही है उसका परिणाम है कि जिले की बाउन्ड्री से बाहर रहने वाले मादक पदार्थो के तस्कर जहां अपने अवैध कारोबार की तेज गति को अंजाम देने में असफल होते हुये दिखाई दे रहे है। वही टीआई चौहान की टीम द्वारा लगातार हर आरोपी के खिलाफ अपना डंडा घुमाते हुये उन्हे सलाखों के पीछे भेजने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। इस तरह लगातार दूसर ेदिन गांजे की तस्करी करने वाले आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की गई है। बताया जाता है कि जहां चौहान की टीम द्वारा बीते हुये रविवार को समीपस्थ जिले के आरोपी के पास से पांच कलों गांजा सहित मोटर साईकिल जप्त करने में सफलता हासिल की गई थी। इसी प्रकार से लगातार दूसरे दिन फिर दो आरोपियों के पास से अवैध मादक पदार्थ गांजा सहित एक मोटर साईकिल जप्त की गई है। इस सफलता का खुलासा करते हुये बताया है कि जिला पुलिस अधीक्षक डा ऋषिकेश मीना के निर्देषन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया के मार्ग दर्शन तथा उप पुलिस अधीक्षक एल एस डागुर के नेतृत्व में की जा रही कार्यवाही के चलते बीते हुये दवस नगर निरीक्षक अशोक चौहान की टीम द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर नगर की गोल्डन सिटी के पास दो युवकों को संदिग्ध स्थिति में पकड़े हुये जब उनसे पूछताछ की गई तो युवकों द्वारा अपना नाम अभिषेक पिता नरेश सिंह ठाकुर उम्र 23 साल निवासी बारना कालोनी तथा दूसरे ने अपना नाम अमन पिता गुलाब सिंह ठाकुर उम्र 23 साल निवासी सेमरी खोजरा दोनों निवासी जिला रायसेन बताया गया। वही पुलिस द्वारा जब इन दोनों मोटर साईकिल सबार युवकों की तलाशी ली गई तो उनके पास से पुलिस को 2 किलों गांजा मिलने पर टीआई अशोक चौहान की टीम में शामिल सहायक उप निरीक्षक राजेश तिवारी, प्रधान आरक्षक रामगोपाल सिंह राजपूत, आरक्षक रूपेन्द्र चौबे, बालकृष्ण रघुवंशी, सुजीत बागरी, शिवम पटैल, दीपक राजपूत, अखिलेश पटैल, मोहन चौरे, करन सिंह, अक्षय श्रीवास्तव, रामसिंह द्वारा आरोपियों के पास से गांजा जप्त करते हुये।

बंदूक लायसेंसधारी भी ले रहे है गरीबी रेखा योजना का लाभ

नवभारत/ सांईखेड़ा। जिस प्रकार से सरकार द्वारा गरीबी रेखा के अंतर्गत आने वाले लोगों का भला करने की उद्वेश्य को लेकर योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है उसका लाभ गरीबों को मिलने की जगह बड़े बड़े जमीदार लोग लेते हुए दिखाई दे रहे है, यदि सही मायने में देखा जावे तो इस योजना के तहत पात्र हितग्राही वही माने जाने है जिनके पास तीन एकड़ से कम जमीन हो, मगर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो गरीब रेखा सूची में अनेक इस प्रकार के लोगों के नाम देखने आसानी से मिल सकते है जिनके पास ट्रेक्टर से लेकर खेतों में नलकूप पानी दे रहे है इतना ही नही यदि गरीबी रेखा सूची की सच्चाई को जानने के लिए गहराई से खोज की जावे तो बंदूक के लाईसेंसधारी लोगों के नाम भी इस सूची में मिलने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता हैड़ जिसमें देखा जावे तो इस समय जनपद पंचाय सांईखेड़ा के अन्तर्गत अनेक ग्रामों में बनी गरीबों की लिस्ट को देखा जावे तो बड़ा आश्चर्य होता है, क्योंकि ब्लाक के पास उपलब्ध गरीबी सूची का यदि ईमानदारी से मुआवना किया जावे तो अनेक चौकाने वाले नाम सामने आ सकते है, उन लोगों तक नाम है जिनके पास टेक्टरों से लेकर अनेक मोटर साईकिले तथा कई एकड़ जमीन है और जिनके बच्चें अधिक फीस वाले मंहगे स्कूलों में पड़ने शहर जा रहे है।

एक नजर में

किसानों को नहीं मिल पा रहा है पानी

नवभारत/ मनकवारा। इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र का किसान नही मिल पाने के कारण अपनी फसलों को लेकर परेशान देखे जा रहे है, वही दूसरी ओर स्थिति इस प्रकार से है कि वह आगामी फसलों की तैयारियों को लेकर पानी की व्यवस्था तक पूरी करने में असमर्थ महसूस करने से नही चूक रहे है, मगर वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो क्षेत्र में जहां शासन द्वारा करोड़ो रूपया खर्च करते हुए क्षेत्र के किसानों के खेतों में से नहरों का निर्माण तो कर दिया गया है, मगर उन नहरों में जरूरत के समय पानी नही आने के कारण उनके औचित्य पर भी सबाल खड़े होने लगे है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जब क्षेत्र में नहरों के निर्माण कार्य की शुरूआत हुई थी उस समय क्षेत्र के किसानों के चेहरों में इस सोच के साथ खुशी झलक रही थी कि क्षेत्र में नहरों का निर्माण होने के कारण उनकी जिन्दगी संभल जावेगीड़ जब नहरों से पानी आवेगा तो वह अपने खेतों में भर पूर फसल लेते हुए खुशहाली से झूम उठेगे (मगर इस समय वह खुशी उनके लिए मात्र एक सपना ही साबित हुए जान पड़ रही है। क्योंकि क्षेत्र में बनी हुई नहरे मात्र उन्हें चिडाते हुए जान पड़ रही है। क्योंकि क्षेत्र में करोड़ो की लागत से बनी हुई नजरों में पानी नही छोड़े जाने के कारण लोगों कह रहे है कि आखिर में जब नहरें बन ही चुकी है तो फिर इसका लाभ क्षेत्र के किसानों को मिल क्यों नही रहा है क्या यह नहरें सिर्फ दिखाने के लिए ही बनाई गई थीड़ जो आज मुश्बित के समय किसानों को उपयोगी साबित नही हो रही है।

नगर के वार्डों में घुस रहे भारी ट्रक व डम्फर से नगरवासियों की जिन्दगी खतरे में

नवभारत/ गाडरवारा। नगर की मुख्य सड़क आमगांव नाका से स्टेशन तक भारी वाहनों के दवाव के चलते लाखों रूपया की लागत से वायपास रोड का निर्माण किया गया है। वही दूसरी ओर नगरवासियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा नगर में भारी वाहनों के प्रवेश पर नो एन्ट्री भी लागू की गई हैड़ मगर इसके बाद यदि भारी वाहन नगर के वार्डो में ही प्रवेश करने लगे तो नगरवासियों की जिन्दगी कहा तक सुरक्षित रह सकती हैड़ इस बात की मिशाल इस समय नगर के अनेक वार्डो में दिखाई दे रही है। नगर के अनेक वार्डो में रेत गिट्टी सहित अन्य सामग्री लेकर खुलेआम में भारी भरकम डम्फरों व ट्रको की आवाजाही जाई से जहां नगरपालिका द्वारा आमजन की सुविधा के लिए बनाई गई सड़के टूट रही है। वही दूसरी ओर यहां के लोगों की जिन्दगी पूर्णरूप से खतरे में दिखाई पड़ रही है। मगर प्रशासन की उदासीनता के चलते यदि इस प्रकार से भारी वाहन नगर की सकरी कुलियों में प्रवेश करते रहे तो निश्चित तौर से जहां नगरपालिका की सड़कों को क्षति पहुंचाएगे और किसी दिन कोई बड़ी दुघर्टना को अंजाम देने से भी नही चुकेगे मगर पता नही प्रशासन किसी बात का इंतजार कर रहा है।

नवसृजन पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ ग्वारी में आज से

नवभारत/ तेंदूखेड़ा। मनुष्य में देवत्य के उदय धरती पर स्वर्ग का वातावरण घर घर में संस्कारों के बीजारोपण गांवों की सुख शांति समृद्धि बढ़ाने हेतु दूषित सूक्ष्म स्थूल वातावरण में परिशोधन सद्बुद्धि की उपासना घर घर फैलाने अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार की संस्थापिका वंदनीय भगवती देवी शर्मा एवं अखंड दीप के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में गायत्री महामंत्र से साधनात्मक पुरुषार्थ से सृजनात्मक आंदोलनों को गति देने गांव गांव गायत्री महायज्ञों का आयोजन किया जा रहा है।इसी श्रंखला के चलते समीपस्थ ग्राम ग्वारी में आज 11 फरवरी से 13 फरवरी तक पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है जिसमें क्षेत्र के सभी वर्गों के लोगों से पहुंचने की अपील की गई है।

क्षेत्र में कागजों में चल रहे अनेक आंगनबाडी केंद्र

नवभारत/ सांईखेड़ा। शहरों के साथ साथ सरकार द्वारा ग्रामीण महिलाओं व बच्चों को अनेक प्रकार के लाभ देने के उद्वेश्य से करोड़ो रूपया खर्च आगंनवाड़ी केन्द्रो की स्थाना की गई है। मगर देखनें में आता है कि ग्रामीण अंचलों मे संचालित आंगनबाडियों का फायदा महिलाओं,बच्चों को नही मिल पा रहा है..ड़ जबकि इनके लिए सरकार करोडो रूपए खर्च कर योजनाए बनाती है,इस बात की सच्चाई इस समय समीपस्थ जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत अनेक गांवों में संचालित होने वाले आंगनवाड़ी केन्द्रो में आसानी से देखने मिली सकती हैड़ बताया जाता है कि क्षेत्र के अनेक आंगनबाडियों में मासूम बच्चों को न तो पौष्टिक आहार मिलता और न पढाई सुविधा मिल रही है। वही गर्भवती महिलाओं को इन केन्द्रों से समय समय पर जो लाभ मिलना चाहिए था वही भी नही मिल पा रहा है। जबकि केन्द्रों के कागजों के हिसाब से देखा जावे तो उनकी खाना पूर्ति पूर्णरूप से होती रहती है। वही ग्रामीणों का आरोप है कि महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी ,केंद्र प्रभारियों की सांठगांठ से फर्जी बिल,आंकडे तैयार कर प्रतिवर्ष लाखों रूपए गोलमाल कर दिए जाते हैड़ अनेक केंद्रों पर मनमर्जी है उन्हे आंगनबाडी केंद्र को कब बंद करना है, कब खोलना यह सब उसकी मनमर्जी पर होता हैड़वही संबंधित अधिकारियों द्वारा इनका निरीक्षण सिर्फ शासकीय गाड़ियों में घूमते हुए।

वाहन चालकों की मनमानी से नागरिक चिंतित

नवभारत/खुलरी। जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को आने जाने के लिए अच्छी सुविधाएं प्रदान करने की सोच रखते हुये गांव गांव पक्की सड़को का निर्माण कराया गया जा रहा है, मगर सरकार द्वारा ग्रामीणों की सुविधाओं के नाम पर सड़को के निर्माण के लिए खर्च की जाने वाली यह करोड़ो की राशि निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सियों या फिर बडे वाहन मालिकों की मनमानी के भेट चड़ने से नही चूक रही है। बताया जाता है कि गांव गांव बनाई जाने वाली इन सड़कों की स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि जहां वह निर्मित होने के चंद दिनों के उपरांत टूटना शुरू हो जाती है या फिर वह बडे वाहनों की भेंट चड़ जाने के कारण ग्रामीणों के लिए सिर्फ परेशानी का कारण ही नही बल्कि खतरे की घंटे बजाने से नही चूक रही है। क्योंकि बडे वाहन चालकों द्वारा इन पक्की सड़कों पर जिस प्रकार से अपने बडे वाहनों को दौड़ाया जाता है उसके चलते सड़कों के किनारे रहने वाले लोगों की जान खतरे में पड़ने से नही चूक रही हैड़ कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय खुलरी में देखने मिल रही है जहां पर आये दिन गांव के अंदर से निकल रहे बडे वाहनों के चलते आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा पैदा तो हो ही रहा है। मगर सबसे भयानक स्थिति इस समय निर्मित हो जाती है जब यहां पर प्रति रविवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार के दौरान देखने मिलती है। क्योंकि बाजार के पास से निकला हुआ मुख्य मार्ग से जहां दूर दूर से दुकाने लेकर आने वाले दुकानदारों को यहां से निकलने वाले बडे वाहनों के चलते खतरा दिखाई दे रहा है, इसी बात को ध्यान में रखते हुए लोगों द्वारा बाजार के दिन यानि की रविवार को दोपहर 1 बजे से शाम 8 बजे तक इस मार्ग से बडे वाहनों के निकलने पर रोक लगाये जाने की मांग की जाने लगी है। यदि प्रशासन द्वारा समय रहते हुए।

बसेड़िया की सर्दी से बचाने कंबल वितरण सेवा का समापन

नवभारत/ गाडरवारा। समाज सेवा को जुनून जिस तरह से मुकेश बसेड़िया में देखा रहा है वह निश्चित तौर से अपने आप में एक अनोखी मिशाल कायम करने में पीछे नही है। क्योंकि उनकी यह समाज सेवा ऋतुओं के आधार पर चलते हुये देखी जाती है। बगैर किसी दिखाबे जहां सर्दी भरी रातों में रात रात भर घुमकर उन बे सहारा लोगों को खोजते फिरते है। वही गर्मी के दिनों में मूक पशुओं से लेकर पक्षियों के साथ आम लोगों को ठंडे पानी की व्यवस्था करने में पीछे नही रहते है। वही बारिश के दिनों में जंगल क्षेत्र में पैदल भ्रमण करते हुये गरीबों को भोजन प्रसादी से लेकर अन्य जरूरी सामग्री पहुंचाने में पीछे नही रहते है। इस तरह साल भर ऋतुओं में बदलाब होते हुये जरूर देखा जाता है। मगर बर्सोडिया की समाज सेवा में कभी रूकावट देखने नही मिला है। इस तरह देखा जावे तो बसेड़िया द्वारा अपनी जिन्दगी का मकसद मात्र समाज सेवा ही बना लिया हो। इस प्रकार नगर के समाजसेवी मुकेश बसेड़िया ने गर्मी की दस्तक प्रारंभ होते ही फाल्गुन सीताष्टमी पर सर्दी के मौसम से सतत चल रहे रात्रि कंबल फेरा का समापन बैंड बाजे के साथ किया गया। इस तरह तीन माह पहले अगहन शुक्ल अष्टमी से कंबल रात्रि फेरा का शुभारंभ किया था जिसमे प्रतिदिन रात्रि में कंबल, चादर आदि लेकर दोपहिया या चार पहिया वाहन से शहर के छीपा तिगड्डा, बसस्टेंड, रेलवे स्टेशन, शासकीय अस्पताल सहित अन्य मुख्यमार्गों में घूम कर सर्दी में ठिठुरते हुये निराश्रित, असहाय या साधन विहीन लोगो को कंबल प्रदान कर उन्हें सर्दी में ठिठुरने से बचाने हेतु देखा जाता रहा है। उल्लेखनीय है कि विगत अनेक वर्षों से बसेड़िया सर्दी के सीजन में ये मुहिम चलाते है,जिसकी सूचना वह सर्दी के प्रारंभ में ही सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यम से अपील करते है कि यदि किसी को कोई असहाय साधन विहीन सर्दी से ठिठुरता हुआ दिखाई दे तो तत्काल फोन द्वारा हमे सूचित करें। जिससे शीघ्र राहत पहुंचाने का प्रयास किया जायेगा।

गरीबों की करते है मदद

उक्ताशय की जानकारी देते हुए बर्सोडिया ने बताया कि आज से लगभग 13 वर्ष पहले एक न्यूज पेपर किसी शहर में निराश्रित वृद्ध की ठंड से मौत की खबर पकर इस अभियान की शुरुआत की थी जबसे सतत सर्द रात्रि में प्रतिदिन मध्य रात्रि के आसपास अपने वाहनो कार या मोटर साइकिल से कंबल का रात्रि फेरा करते है। अनेक बार सर्दी से ठिठुरते हुए लोगो को कभी पेपर, कभी पालीथीन या आग का सहारा लेते हुए कभी साधन विहीन ठिठुरते देखा और इस मुहिम में अनेक असहाय वृद्धजनों की मध्य रात्रि में सर्दी से ठिठुरते हुए जान बचाई। इस उन्होंने बताया कि किसी को कंबल देना बहुत आसान है पर भीषण सर्दी में रजाई में सोने के बाद उठकर जाना अत्यंत दुष्कर कार्य है।

अंग्रेजी का पेपर सरल, परीक्षा केंद्रों पर पहले ही दिन उड़न दस्तों की टीमों ने दी दस्तक

नवभारत/ तेंदूखेड़ा मंगलवार से हायर सेकंडरी स्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा कक्षा बारहवीं की परीक्षा शुरू हो गई है। पहले दिन अंग्रेजी के प्रश्न पत्र में तेंदूखेड़ा क्षेत्र में कुल 971 छात्र छात्राओं में दो छात्र अनुपस्थित रहे।एक छात्र कन्या विद्यालय तेंदूखेड़ा और दूसरा देवरी राजमार्ग परीक्षा केंद्र में अनुपस्थित रहे। पहले दिन से ही सुरक्षा के व्यापक स्तर पर प्रबंध रहे। जिला शिक्षा अधिकारी के साथ साथ एस डी एम और तहसील दार विकास खंड शिक्षा अधिकारी की टीमों के द्वारा परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। तेंदूखेड़ा के कन्या उच्चतर विद्यालय और बालक उच्चतर विद्यालय परीक्षा केंद्र तथा देवरी राजमार्ग परीक्षा केंद्र में जिला शिक्षा अधिकारी तथा एस डी एम के द्वारा केंद्रों का निरीक्षण किया गया जबकि देवरी राजमार्ग परीक्षा केंद्र में जिला शिक्षा अधिकारी के साथ तहसील की टीम और डोभी में ब्लाक शिक्षा अधिकारी की टीमों ने औचक निरीक्षण किया। शांति पूर्वक परीक्षा हुई।अंग्रेजी का पेपर सरल आने से बच्चों के चेहरों पर मुस्कान देखने को मिली। परीक्षा केंद्र से बाहर आते बच्चों ने बताया कि पेपर सरल था। पिछले साल की प्रश्न पत्रों में से काफी मिले जुले प्रश्न पूछें गये हैं।